





ग॒र्वा॒र्वा॒र्वा॒ ठ॒क॒क॒क॒ उ॒त्र॒त्र॒त्र॒ प॒ध॒ध॒ध॒
 म॒ ठ॒क॒क॒क॒ क॒त्र॒त्र॒त्र॒ र॒त्त॒त्त॒त्त॒ उ॒त्त॒त्त॒त्त॒

ग॒र्वा॒र्वा॒र्वा॒ उ॒त्र॒त्र॒त्र॒ उ॒त्त॒त्त॒त्त॒ प॒ध॒ध॒ध॒
 उ॒त्र॒त्र॒त्र॒ क॒त्र॒त्र॒त्र॒ उ॒त्त॒त्त॒त्त॒ उ॒त्त॒त्त॒त्त॒

ग॒र्वा॒र्वा॒र्वा॒ ठ॒क॒क॒क॒ उ॒त्र॒त्र॒त्र॒ प॒ध॒ध॒ध॒
 ठ॒क॒क॒क॒ क॒त्र॒त्र॒त्र॒ र॒त्त॒त्त॒त्त॒ उ॒त्त॒त्त॒त्त॒

ग॒र्वा॒र्वा॒र्वा॒ ठ॒क॒क॒क॒ उ॒त्र॒त्र॒त्र॒ प॒ध॒ध॒ध॒
 ठ॒क॒क॒क॒ क॒त्र॒त्र॒त्र॒ र॒त्त॒त्त॒त्त॒ उ॒त्त॒त्त॒त्त॒

ग॒र्वा॒र्वा॒र्वा॒ ठ॒क॒क॒क॒ उ॒त्त॒त्त॒त्त॒

ལག་	གག་	ངག་	བག་
དག་	ཕག་	ཞག་	ཟག་
སག་	ལག་	ཤག་	སག་
ལང་	གང་	ངང་	ཆང་
བང་	དང་	ལྷང་	ཕང་
བང་	ཆང་	སང་	རྟང་
ལབ་	བབ་	ཆབ་	བབ་
ཡབ་	སབ་	ལམ་	ཕམ་
ལམ་	ཅམ་	བམ་	ལམ་
བས་	དས་	ཕས་	ཕས་
ཀས་	ལས་	གས་	ཆས་
བས་	མས་	ཆས་	ཤས་

གདྲ'	ཅདྲ'	ཆདྲ'	ཟདྲ'
དདྲ'	ནདྲ'	པདྲ'	ཕདྲ'
ཆདྲ'	ཟདྲ'	ལདྲ'	མདྲ'
གནྲ'	ངནྲ'	ཅནྲ'	ཟནྲ'
ནནྲ'	པནྲ'	ཤནྲ'	ཉནྲ'
ཆནྲ'	ཉནྲ'	སནྲ'	ལནྲ'
ལལ'	གལ'	ངལ'	ཟལ'
ཟལ'	དལ'	བལ'	ཆལ'
ཉལ'	ཡལ'	སལ'	ཉལ'
ལས'	གས'	ཆས'	ནས'
པས'	བས'	མས'	ཟས'
ཡས'	སས'	ལས'	ཤས'

कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं
कीं	कीं	कीं	कीं

श्रुमे'	श्रुद'	श्रुस'	श्रुण'
श्रुमे'	श्रुद'	श्रुमे'	श्रुमे'
श्रुद'	श्रुद'	श्रुण'	श्रुण'
श्रुण'	श्रुमे'	श्रुण'	श्रुद'
श्रुमे'	श्रुद'	श्रुद'	श्रुद'
श्रुण'	श्रुण'	श्रुण'	श्रुद'
श्रुद'	श्रुमे'	श्रुण'	श्रुमे'
श्रुमे'	श्रुद'	श्रुद'	श्रुण'
श्रुमे'	श्रुद'	श्रुस'	श्रुण'
श्रुण'	श्रुद'	श्रु	श्रुण'
श्रुण'	श्रुमे'	श्रुमे'	श्रुण'
श्रुद'	श्रुण'	श्रुद'	श्रुण'
श्रुमे'	श्रुमे'	श्रुमे'	श्रुस'
श्रुण'	श्रुद'	श्रुमे'	श्रुमे'
श्रुद'	श्रुण'	श्रुमे'	श्रुण'



- ༡ ཟླ་ལྷོ་ལ་ པར་ལ་དེ་ མཐོང་ཅིག་?
- ༢ ལ་དེ་ནང་ ག་ཅི་གི་ པར་ར་ལ་དུག་?
- ༣ ཟླ་ལྷོ་ལ་ སྤང་ལ་དེ་ ལྷག་ཅིག་?
- ༤ སྤང་ལ་དེ་ ག་ཅི་གི་སྐོར་ལས་མོ་?